# रेतीली मिट्टी, कम पानी वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त गेहूं की नई किस्म डब्ल्यूएच 1402

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एच ए यू), हिसार ने गेहूं की एक नई किस्म डब्ल्यूएच 1402 विकसित की है। यह किस्म रेतीली व कम उपजाऊ मिट्टी और कम पानी वाले क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए विकसित की गई है।

एच ए यू के वैज्ञानिकों ने कहा है कि यह किस्म सिर्फ़ दो सिंचाई व मध्यम खाद से ही अच्छी पैदावार देगी। उन्होंने कहा है डब्ल्यूएच 1402 हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड व जम्मू-कश्मीर में बुवाई के लिए उपयुक्त है।

विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक अगले दो वर्षों में इसका बीज किसानों को मिलना शुरु हो जाएगा। एच ए यू के कुलपति प्रोफेसर बी आर कांबोज ने बताया कि इस किस्म की औसत उपज 50 क्विंटल प्रति हेक्टेयर व अधिकतम उपज 68 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक ली जा सकती है। यह किस्म पीला रतुआ, भूरा रतुआ व अन्य बीमारियों की प्रतिरोधी है।

डब्ल्यू एच 1402 किस्म की बालियां 100 दिन में निकालती हैं और यह 147 दिन में कटाई के लिए तैयार हो जाती है। इस की बालियां 14 सेंटीमीटर लंबी व लाल रंग की हैं। इस किस्म की ऊंचाई 100 सेंटीमीटर है। इस किस्म का दाना मोटा है व इसमें 11.3 प्रतिशत प्रोटीन है।